an>

Title: Need to complete the fencing of Indo-Bangladesh border.

श्री रामेश्वर तेली (डिब्रूगढ़) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं गृह मंत्री जी को बताना चाहता हूँ कि असम में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन ने वहाँ से विदेशियों को खदेड़ने के लिए छः साल आंदोलन किया। ...(व्यवधान) ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन तथा भारत सरकार के बीच वर्ष 1985 में 15 अगस्त को एक समझौता हुआ। ...(व्यवधान) उसमें कहा गया था कि बंगलादेश का जो बॉर्डर है, ...(व्यवधान) उसमें 272 किलोमीटर तक फेंसिंग किया जाए। ...(व्यवधान) लेकिन अभी तक 272 किलोमीटर फेंसिंग के कार्य में सिर्फ 50 प्रतिशत ही फेंसिंग हुए हैं और 50 प्रतिशत फेंसिंग का कार्य अभी तक बाकी है। ...(व्यवधान) मेरी जानकारी के अनुसार, जो फेंसिंग हुआ है, उसकी हालत भी बहुत खराब है। मैं गृह मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि जल्द-से-जल्द बंगलादेश और भारत के बॉर्डर पर फेंसिंग की व्यवस्था की जाए। ...(व्यवधान) यह असम के लिए एक बहुत बड़ी समस्या है।...(व्यवधान) ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन बहुत बार मांग कर चुकी है कि बॉर्डर सील होना चाहिए, फेंसिंग कंप्लीट होना चाहिए, लेकिन अभी तक फेंसिंग कंप्लीट नहीं हुआ है। ...(व्यवधान) मैं सोचता हूँ कि हमारी सरकार है, इसलिए मैं गृह मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि जल्द-से-जल्द फेंसिंग का काम पूरा हो।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी मेरा आपसे निवेदन है, अगर नोटिस आपने नहीं दिया है, तो दे दें। यदि नोटिस दे दिया है, तो नेक्स्ट बीएसी की बैठक में हम इस पर विचार करेंगे। किसी ने मना नहीं किया है। माननीय मंत्री जी ने भी चर्चा के लिए भी इंकार नहीं किया है। लेकिन यदि नोटिस नहीं दिया है, तो नोटिस दे दें, फिर बीएसी की बैठक में चर्चा करके इस विषय को ले सकते हैं। बिना नोटिस के कुछ नहीं होता है। यदि दिया है, तो आप बीएसी की बैठक में रहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया शांत रहें। मैं आपके नेता से बात कर रही हूँ। मेरी मर्यादा का नहीं, तो उनकी मर्यादा का थोड़ा ध्यान रखें। मेरा कहना है कि चर्चा के लिए कोई मना नहीं कर रहा है। हम बीएसी की बैठक में विचार करके इस पर चर्चा का समय तय कर सकते हैं। मैं इतना ही आपसे निवेदन करती हूँ। आप नोटिस दे दें, या नोटिस दे दिया है, तो इस पर विचार करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : पहले आप अपने मेम्बर्स को बैठ जाने को तो कहें, तो वे आपको बोलने देंगे। क्या आप ऐसे ही भीड़ में बोलेंगे?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह नहीं होता है। यदि आप कुछ कहना चाहते हैं, तो कृपया आप अपने मेम्बर्स को तो सीट पर जाने के लिए बोलिए।

12.25 hrs

At this stage. Shri Ravneet Singh, Shri Rajesh Ranjan, Shri Dharmendra Yadav, Shri Shailesh Kumar and some other hon. Members went back to their seats.

माननीय अध्यक्ष : कृपया सब लोग चुप बैठें। मैंने कहा, मंत्री जी ने भी कहा है, they are ready, but not now.

...(*Interruptions*)

श्री भरत सिंह (बलिया) : मैडम, मेरा प्रिविलेज का मैटर है। मुझे समय दीजिए।...(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): उत्तर प्रदेश में माननीय सांसद को अपमानित करने का काम किया गया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम स्पीकर, आप जानती हैं कि इस विषय को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में मैंने उठाया था। यह सब्जेक्ट, उसके बाद एट्रोसिटीज अगेन्स्ट एससी-एसटीज, एट्रोसिटीज अगेन्स्ट वीमेन, ये तीन-चार सब्जेक्ट्स हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की चर्चा यहां मत कीजिए, मेरा इतना ही कि कहना है कि आप नोटिस दे दीजिए, अगर दिया है, तो हम बैठकर विचार करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब यह बात खत्म हो गयी है। यह चर्चा आज, अभी नहीं हो सकती।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : Madam, with some patience, kindly hear me. एक, हमने एक एडजर्नमेंट मोशन की नोटिस दी है, आप उसे 193 के तहत चर्चा में कन्वर्ट कर सकते हैं। दूसरे, 193 के अंतर्गत चर्चा के लिए नोटिस मैंने पहले ही दी थी। Already notice is there. So, when two notices are with you, Madam, you take it straighaway; you fix the time. We all agree for that....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं कर सकते हैं। उसका डिसीजन बिजनेस एडवाइजरी कमेटी करेगी, न कि मैं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : We can convert Calling Attention into discussion under Rule 193 but we cannot convert Adjournment Motion. यह पार्शियलिटी सरकार कर रही है, यह ठीक नहीं है।...(व्यवधान) कॉलिंग अटेंशन को आप बदल सकते हैं, तो एडजर्नमेंट मोशन को क्यों नहीं बदल सकते?...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Anto Antony – not present.

Shrimati Aparupa Poddar *ji.*

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : 193 भी है, एडजर्नमेंट मोशन भी है, अगर आपने बोल दिया, तो हम बैठ जाएंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह अन्याय है। ...(व्यवधान) आप न्याय कीजिए। दो नोटिसेज आपके पास हैं।...(व्यवधान) इसको आप कर सकते हैं।...(व्यवधान)

श्री भरत सिंह : मैडम, मैंने प्रिविलेज नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने प्रिविलेज नोटिस दी है, मुझे मालूम है। वह विचाराधीन है, मैंने आपको बताया है, बार-बार उसी विषय को यहां मत उठाइए। मैं आपको बता दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : मैडम, अगर माननीय संसद सदस्यों के साथ ऐसा ही होता रहेगा, तो कैसे चलेगा?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, ऐसा नहीं होता है। मुझे नए-नए नियम मत सिखाइए, योगी आदित्यनाथ जी। आप समझदार हैं।

योगी आदित्यनाथ : मैडम, माननीय संसद सदस्यों को अपमानित किया जा रहा है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए, प्लीज।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बिना अनुमति के किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

12.28 hrs

At this stage, Shri Ravneet Singh, Shri Rajesh Ranjan,

Shri Dharmendra Yadav and some other hon. Members

came and stood on the floor near the Table.